मेरी माँ खोल दे तू मेरे भी नसीब को

मेरी माँ
खोल दे तू मेरे भी नसीब को,
तार दे तू मैया इस गरीब को ॥
माँ खोल दे तू मेरे भी नसीब को ॥

तेरे दर आके दुख दिल के मैं रोता हूँ,
अश्कों से तेरे मैया चरणों को धोता हूँ ॥
तेरे होते दाती क्यूँ, दुखियाँ मैं होता हूँ
चैन से ना जिऊँ मैया चैन से ना सोता हूँ ॥

गले से लगा लो बदनसीब को ॥
माँ खोल दी तू मेरे भी नसीब को ॥
ज्योत मैं जगाऊँ तेरी सांझ सवेरे,
दूर करो मैया मेरे गम के अंधेरे ॥

कष्ट निवारो मैया अब तू मेरे,
आके गिरा हूँ मैया शरण में तेरे ॥
भूलों ना माँ अपने अजीज को ॥
माँ खोल दे तू मेरे भी नसीब को ॥

अपने भक्तों को मैया दे दो दिलासा माँ,
ममता से भर दो मैया मेरी भी कासा माँ ॥

दूर ना जाये मेरे मुखड़े से हासा माँ,
जाए ना दर से तेरा भक्त नीरासा माँ ॥

तोड़ो ना माँ मेरी भी इस उम्मीद को ॥
माँ खोल दे तू मेरे भी नसीब को ॥

Source:
https://www.bharattemples.com/meri-maa-khol-de-tu-mere-bhi-naseeb-ko-taar-de-tu-maiya-is-garib-ko/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw